



भारत का राजपत्र
The Gazette of India

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (1)
PART II—Section 3—Sub-section (1)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० १६९]

नई दिल्ली, मंगलवार, जन 1, 1982/शके 11, 1904

No. 169] NEW DELHI, TUESDAY, JUNE 1, 1982/JYAISTHA 11, 1904

इस भाग में भिन्न वृष्ट संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
 Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

(स्वास्थ्य विभाग)

अधिसूचना

मई दिल्ली, 1 जून, 1982

सं० का० सं० ४४२ (अ).—केन्द्रीय सरकार, औषधि और चमत्कारिक उपचार (द्राक्षोपणीय विज्ञापन) अधिनियम, १९५४ (१९५४ का २१) की धारा ३ के खंड (घ) के साथ पठित धारा १६ द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और औषधि तकनीकी सलाहकार बोर्ड से परामर्श करने के पश्चात् औषधि और चमत्कारिक उपचार (द्राक्षोपणीय विज्ञापन) नियम, १९५५ का और संशोधन करने के लिए मिश्रसंश्लिष्ट नियम बनाते हैं, अर्थात्:—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम **श्रीषष्टि और समतारिक उपचार (श्रीक्षेपणीय विज्ञापन) नियम, 1982** है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रबल होंगे।

2. घोषधि और समकारिक उपहार (घासोपणीय विज्ञापन) नियम,
1955 में:-

(क) नियम 6 के स्थान पर निम्नलिखित नियम रखा जाएगा, अर्थातः—

“6. रोग आदि की चिकित्सा के लिए द्रव्यधियों के विज्ञापन का प्रतिषेध
कोई भी व्यक्ति किसी ऐसे विज्ञापन के प्रकाशन में भाग नहीं लेगा।

जो किसी औषधि के प्रति ऐसे शब्दों में निवेश करता है जो कि इन निवेदों से उपाध्यक्ष अनुसूची में विनिर्दिष्ट किसी रोग, विकार या वंश के निदान, रोगमुक्ति, उसमें कमी करने उसकी चिकित्सा या निवारण करने के लिए उस औषधि के उपयोग का सुझाव देते हैं या उपयोग की ओर प्रवृत्त करने के लिए प्रकल्पित हैं।” ;

(ख) निम्नलिखित प्रमुखी अंत में जोड़ी जाएगी, अर्थात :—

गुसुप्ती

(नियम 6 देखें)

यभा'

टिप्पण: मूल नियम प्रसिद्धता सं० का० नि० प्रा० ५१२ तारीख २६ फरवरी, १९५५ द्वारा प्रकाशित किए गए थे और पश्चात्तर्फी निम्नलिखित द्वारा संशोधित किए गए।

1. अधिसूचना सं० का०प्रा० 826 तारीख 10 अप्रैल, 1961

३. अधिसूचना सं० का०घा० ३४८ तारीख २० जनवरी, १९६२ खीर

3. अधिसूचना सं० का०पा० 1688 तारीख 22 मई, 1962

सी०बी०ए० मणी, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE

NOTIFICATION

New Delhi, the 1st June, 1982

G.S.R. 442(E).—In exercise of the powers conferred by section 16 read with clause (d) of Section 3 of the Drugs and Magic Remedies (Objectionable Advertisements) Act, 1954 (21 of 1954), the Central Government after consultation with the Drugs Technical Advisory Board, hereby makes the following rules further to amend the Drugs and Magic Remedies (Objectionable Advertisements) Rules, 1955, namely :—

1. (1) These rules may be called the **Drugs and Magic Remedies (Objectionable Advertisements) Amendment Rules, 1982.**

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Drugs and Magic Remedies (Objectionable Advertisements) Rules, 1955, —

(a) for rule 6, the following rule shall be substituted namely :—

"6. Prohibition of advertisement of drugs for treatment of disease, etc.—No person shall also take part in the publication of any advertisement referring to any drug in terms which suggest or are calculated to lead to the use of that drug for the

diagnosis, cure, mitigation, treatment or prevention of any disease, disorder or condition specified in the Schedule annexed to these rules."

(b) The following Schedule shall be added at the end namely :—

"The Schedule

(See rule 6)

Asthma"

Note :—The principal rules were published with notification No. S.R.O. 512 dated the 26th February, 1955 and subsequently amended by :

1. Notification with No. S.O. 826 dated the 10th April, 1961.
2. Notification with No. S.O. 348 dated the 20th January, 1962, and
3. Notification with No. S.O. 1688 dated the 22nd May, 1962.

[F. N. X-11024/1/81-DMS&PFA]

C. V. S. MANI, Addl. Secy.